अध्याय - 2

हिन्दी ध्वनियाँ और वर्णमाला

ध्वनियों के लिखित समूह को वर्णमाला कहते हैं। यह हिंदी की वर्णमाला है –

स्वर – अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ।

व्यंजन	**'क' वर्ग**	–	क	ख	ग	घ	ङ
	'च' वर्ग	–	च	छ	ज	झ	ञ
	'ट' वर्ग	–	ट	ठ	ड	ढ	ण (ड़, ढ़)
	'त' वर्ग	–	त	थ	द	ध	न
	'प' वर्ग	–	प	फ	ब	भ	म
	अन्तस्थ	–	य	र	ल	व	
	ऊष्म	–	श	ष	स	ह	
संयुक्त व्यंजन		–	क्ष	त्र	ज्ञ	श्र	

अयोगवाह : ' ं ' (अनुसार) ' : ' (विसर्ग)

(अ, इ, उ, ऋ ह्रस्व स्वर और आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ दीर्घस्वर हैं।

- हम अन्य संयुक्त व्यंजन तीन प्रकार से लिखते हैं।

  1. पाई वाले वर्ण की पाई हटाकर ; जैसे कच्चा, ग्लानि।
  2. बिना पाई वाले वर्ण में हल मात्रा (्) देकर, दैसे – चिट्ठी, हड्डी, पाठ्य।
  3. हुक वाले वर्ण का हुक हटाकर, जैसे – पक्का, हफ्ता।

- कुछ संयुक्त व्यंजन दो व्यंजनों के मेल से बनते हैं – ट्ट, ड्ड, द्ध, द्भ, द्द, द्य, ह्व, ह्ल, ह्य, ह्म। इनमें से प्रथम व्यंजन में हल मात्रा (्) देकर लिखने का अभ्यास करें –

  ट्‌ट, ड्‌ड, द्‌ध, द्‌भ, द्‌द, द्‌य, ह्‌व, ह्‌ल, ह्‌य, ह्‌म

- अ, ऋ, छ, झ, ण, ध, भ, श, क्ष

  का प्रयोग न करके अ, ऋ, छ, झ, ण, ध, भ, श, क्ष का प्रयोग करें।